पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),
भारत सरकार
****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, कार्तिक 26, 1945
शुक्रवार, नवंबर 17, 2023

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 18 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में '2047 में एयरोस्पेस और विमानन' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगी

एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एईएसआई) 18 और 19 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में '2047 में एयरोस्पेस एंड एविएशन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगी। सम्मानित अतिथियों में रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट, नागरिक उड्डयन तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल (डॉ) वीके सिंह (सेवानिवृत्त), एवं डॉ जितेंद्र सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय शामिल होंगे।

एईएसआई की उत्कृष्टता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में भारत में एयरोस्पेस एवं विमानन यात्रा के 75 वर्षों का सार-संग्रह तथा विजन डॉक्यूमेंट 2047 का विमोचन किया जाएगा। यह आयोजन पिछले 75 वर्षों में एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत की भव्य यात्रा पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस क्षेत्र में देश की उपलब्धियां, तकनीकी प्रगति तथा महान दूरदर्शी लोगों की भूमिका को प्रदर्शित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप और छात्रों सहित 1,500 प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रदर्शनी में 75 से अधिक स्टार्ट-अप सहित लगभग 200 उद्योग और एमएसएमई स्वदेशी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे। सम्मेलन के दौरान कई संगठनों/विभागों के प्रमुख भविष्यदर्शी भाषण देंगे।

सम्मेलन में साफरान, रोल्स रॉयस, लॉकहीड मार्टिन, एमआईटी यूएसए, क्रेनफिल्ड यूके के वक्ताओं के साथ-साथ भारत की ओर से प्रमुख वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद/सेवा अधिकारी तकनीकी सत्रों में शामिल होंगे। इस आयोजन में राष्ट्रीय स्तर का स्टार्ट-अप चैलेंज भी शामिल होगा। फाइनलिस्ट 2047 तक भारत के एयरोस्पेस विकास के लिए अपना दृष्टिकोण, अभिनव विचार और उत्पादों को प्रस्तुत करेंगे। युवाओं के साथ जुड़ने के लिए कई अन्य कार्यक्रमों की भी योजना बनाई गई है।

एईएसआई की स्थापना 1948 में देश में एयरोस्पेस और विमानन को बढ़ावा देने के लिए हुई थी। प्रधान मंत्री को इसका पेट्रन-इन-चीफ (संरक्षक) बनाया गया था। सोसाइटी का उद्देश्य उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान प्रयोगशालाओं सहित विभिन्न धाराओं के बीच वैमानिकी विज्ञान एवं विमान इंजीनियरिंग के ज्ञान की उन्नति तथा राष्ट्रव्यापी प्रसार को बढ़ावा देना है।

एईएसआई ने एयरोस्पेस और विमानन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान किया है, जिसमें इसके सदस्यों और राष्ट्रपतियों के रूप में उत्कृष्ट दिग्गज शामिल हैं जिनमें डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ सतीश धवन, डॉ वीएस अरुणाचलम, डॉ वीके सारस्वत आदि शामिल हैं। यह भारत के एयरोस्पेस उद्योग के विकास के लिए एक उत्प्रेरक रहा है। एईएसआई ने मजबूत एयरोस्पेस तंत्र बनाने के लिए सरकार, निजी क्षेत्र और शिक्षाविदों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया है।

अनुसंधान संगठनों, एयरोस्पेस उद्योगों और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित एयरोस्पेस पेशेवरों द्वारा एईएसआई का प्रतिनिधित्व किया जाता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के पूर्व सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ जी

सतीश रेड्डी इसके वर्तमान अध्यक्ष हैं और इसरो के अध्यक्ष श्री एस सोमनाथ निर्वाचित राष्ट्रपति हैं।

एबीबी/एसएस